बकरी, कुत्ता और गाय

Fabian Wakholi
Marleen Visser, Ingrid Schechter
Tanvi Sirari

2

हिन्दी hi

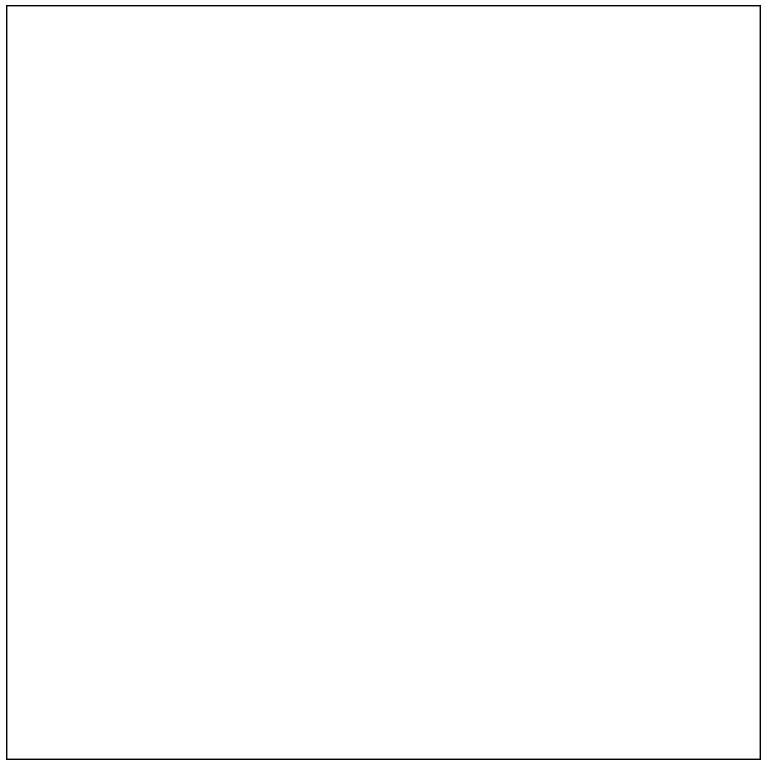

बकरी, कुत्ता और गाय बहुत अच्छे दोस्त थे। एक दिन वे टैक्सी से एक यात्रा पर निकले।

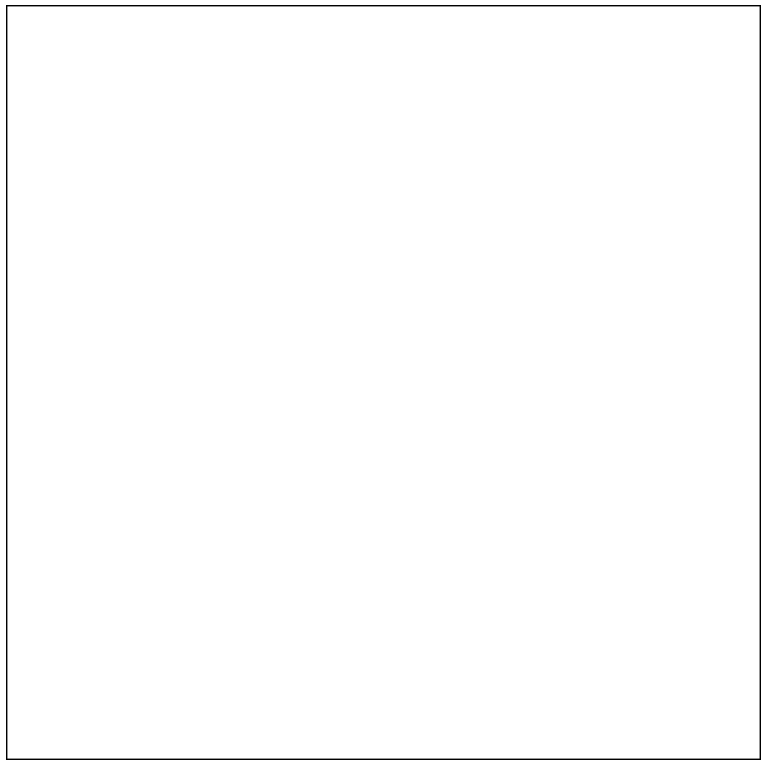

उनकी यात्रा समाप्त होने पर टैक्सीवाले ने उन्हें अपना किराया देने के लिए कहा। गाय ने अपने किराया दे दिया।

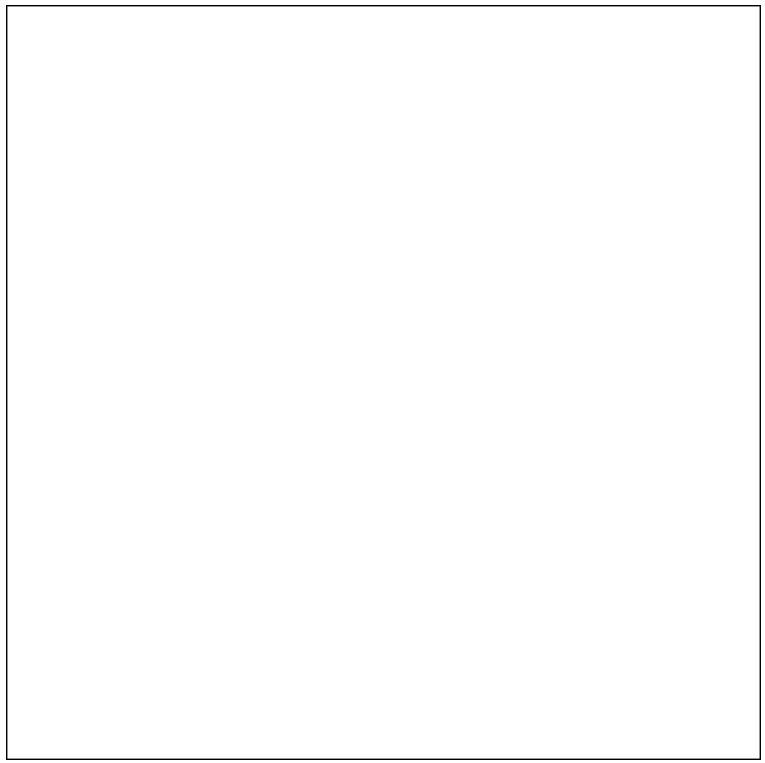

कुत्ते ने थोड़ा ज़्यादा किराया दिया क्योंकि उसके पास खुले पैसे नहीं थे।

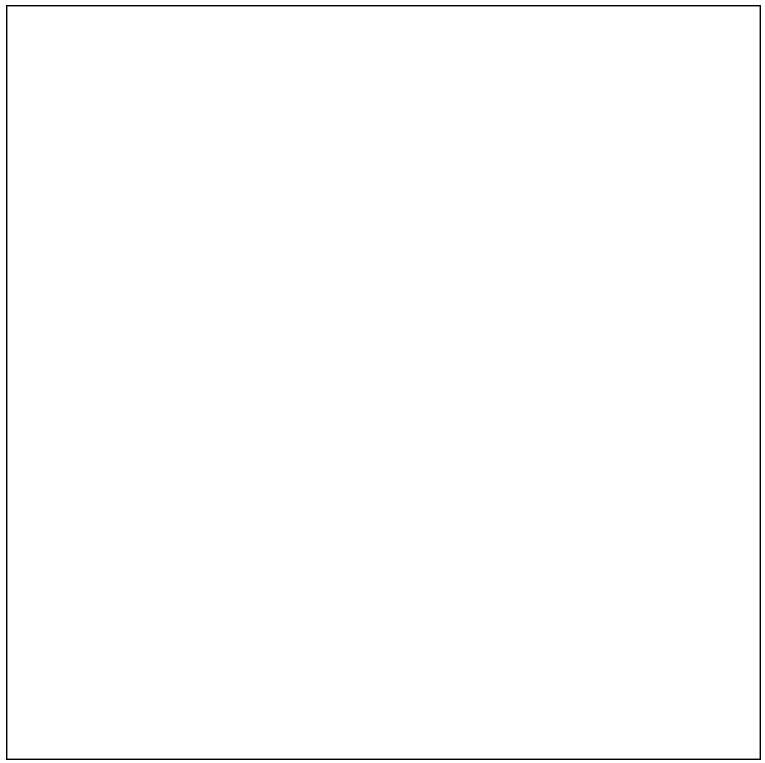

टैक्सीवाला कुत्ते को बकाया पैसे देने ही वाला था कि तभी बकरी पैसे दिए बिना ही भाग गई।

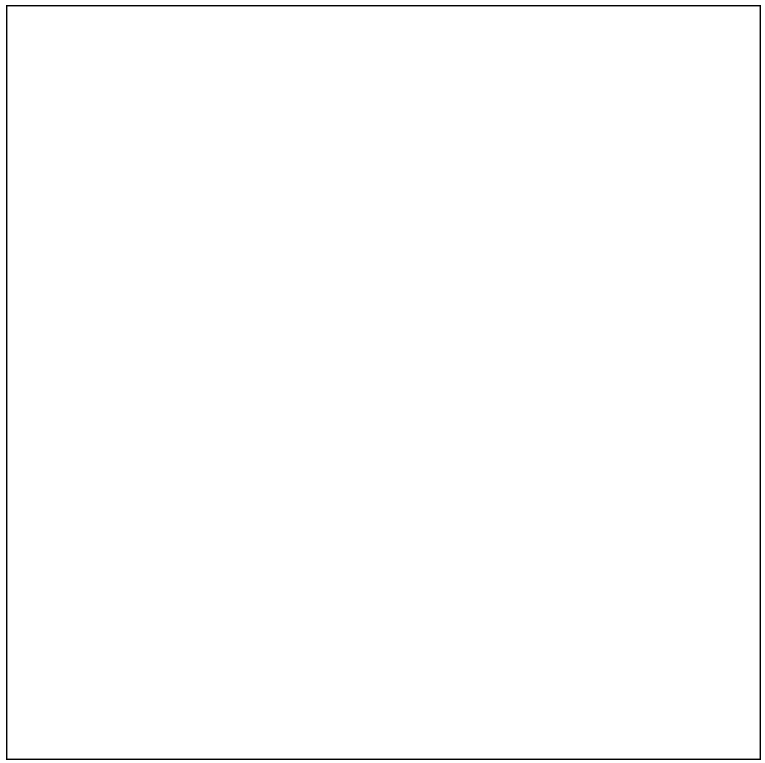

टैक्सीवाला बहुत गुस्सा हो गया। वह भी कुत्ते को बकाया पैसे दिए बिना ही चला गया।

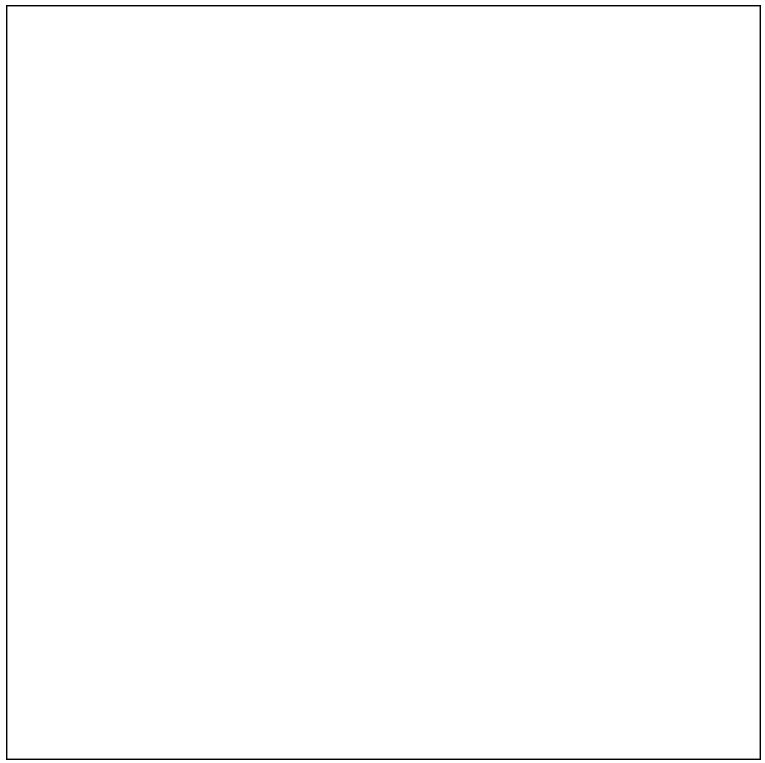

इसी वजह से आज भी कुत्ता गाड़ी के पीछे भागता है ताकि वह उसके अंदर देख सके और उस टैक्सी चालक को ढूँढ़ सके जिसे उसके बकाया पैसे लौटाने हैं।

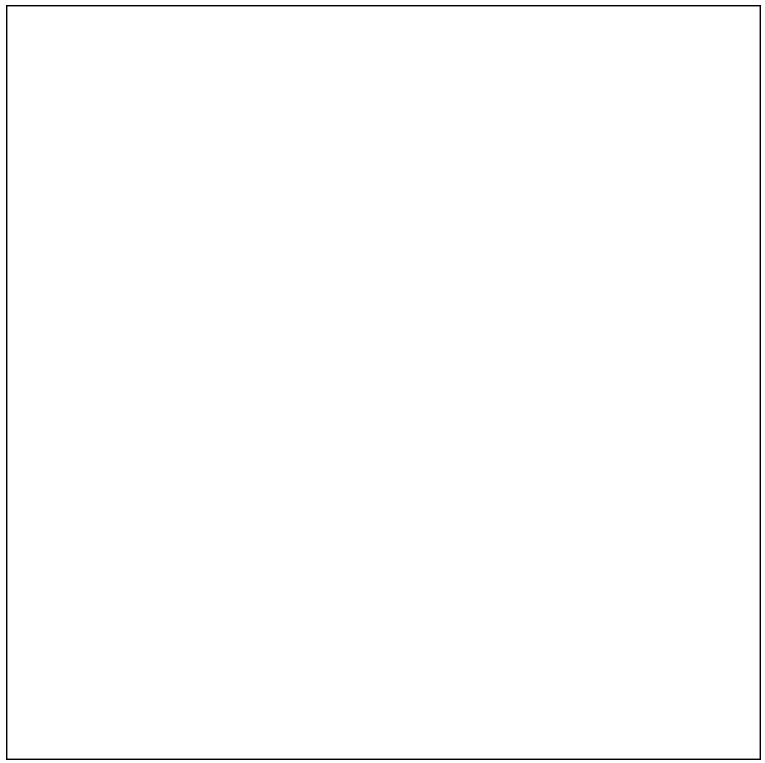

बकरी गाड़ी की आवाज़ सुनकर भाग जाती है। उसे डर है कि कहीं उसे बकाया किराया न देने के कारण गिरफ़्तार न कर लिया जाए।

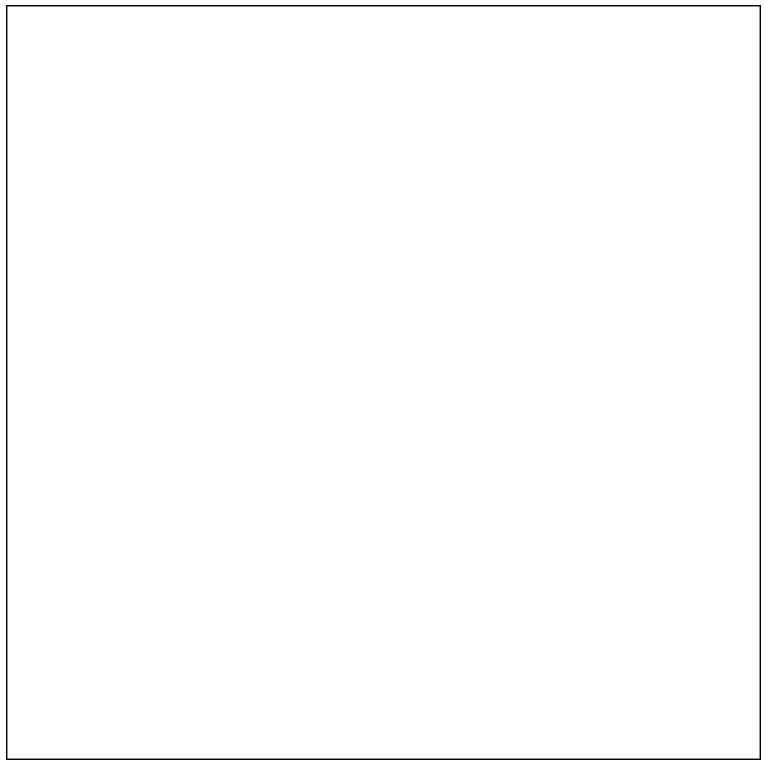

और गाय को गाड़ी के आने से कोई फ़र्क नहीं पड़ता। गाय आराम से सड़क पार करती है क्योंकि वह (same as above) जानती है कि उसने अपना पूरा किराया दे दिया है।

Global Storybooks

globalstorybooks.net

बकरी, कुत्ता और गाय

Fabian Wakholi
Marleen Visser, Ingrid Schechter
Tanvi Sirari